AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सोशल वर्क की 14 से, जूलॉजी की 15 से परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को भी कई परास्नातक पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया। इसके अनुसार मास्टर ऑफ सोशल वर्क (सीबीसीएस) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 14 से 22 जनवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं मास्टर ऑफ सोशल वर्क (न्यू सिलेबस) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 जनवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी।

मास्टर ऑफ पापुलेशन स्टडीज तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस) 17 से 25 जनवरी तक और एमए इन क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षा 17 से 22 जनवरी तक होगी। मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ कम्युनिटी मेडिसिन (सीबीसीएस) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 22 जनवरी व बीए ऑनर्स सोशल वर्क तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 22 जनवरी तक होगी। बीए ऑनर्स सोशल वर्क पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 19 से 25 जनवरी तक होगी। एमएससी जूलॉजी तीसरे सेमेस्टर (न्यू सिलेबस) की परीक्षा 15 से 24 जनवरी तक और एमएससी जूलॉजी तीसरे सेमेस्टर (बैक पेपर, इंप्रूवमेंट व छूटे छात्रों) की परीक्षा 15 से 21 जनवरी तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी। एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 21 जनवरी तक और एमए ज्योर्तिविज्ञान तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 22 जनवरी तक आयोजित होगी।

एमए इंग्लिश तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षा 14 से 25 जनवरी तक और एमए इंग्लिश तीसरे सेमेस्टर (बैक पेपर, छूटे छात्रों व इंप्रूवमेंट) की परीक्षा 17 से 22 जनवरी तक होगी। एमए संस्कृत तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा तक 17 से 22 जनवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। एमए उर्दू तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 20 जनवरी तक होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर भी उपलब्ध है।

लविवि में पीजी के आधा दर्जन और पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

बीएससी प्रयोगात्मक परीक्षा का समय बदला

बीएससी पांचवें सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर व छूटे छात्रों) और बीएससी तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का समय रिवाइज किया गया है। विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण सेठी के अनुसार परीक्षा सुबह नौ से शाम पांच बजे तक होगी। विद्यार्थी 8.30 बजे लैब में रिपोर्ट करेंगे। वहीं एमए, एमएससी स्टेटिक्स पहले व दूसरे पेपर का इंटरनल टेस्ट 10 जनवरी को दोपहर 12.05 से 01.05 बजे तक विभाग में आयोजित होगा।

नेशनल पीजी की परीक्षाएं आज से

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज की बीए, बीएससी, बीकॉम की सेमेस्टर परीक्षाएं बुधवार 05 जनवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 9 से दोपहर12 बजे तक और दोपहर में 1.30 से 4.30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। कॉलेज प्रशासन ने इस बार परीक्षा के लिए कोविड वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया है। वहीं परीक्षा फार्म 1000 रुपये लेट फीस के साथ भरने का अवसर भी विद्यार्थियों को दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 5

यूपी देश में दूसरे स्थान पर

125 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में दुनिया के कई देश बसते हैं. आबादी के मामले में यूपी की जनसंख्या विश्व के कई देशों से अधिक है. ऐसे में रिसोर्स मैनेजमेंट के मामले में यूपी देश में दूसरे स्थान पर है. हमारे प्रदेश में मुख्य रूप से कृषि, पानी और मिनरल रिसोर्स के रूप में है. विभाग के मुताबिक इनमें अभी मिनरल पर काम नहीं हुआ है. उत्तराखंड के यूपी से जाने के बाद क्या संभावनाएं हैं, जिनके बेहतर इस्तेमाल से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है. भूगर्भ विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विभूति राय का कहना है कि हमारे प्रदेश में गंगा-यमुना के मैदान से निकलने वाले बालू का कामर्शियल तौर पर दूसरे राज्यों को सप्लाई कर बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है. इसी तरह ईस्ट साउथ यूपी में सोनभद्र, डाला, चोपन जैसे इलाकों में सीमेंट फैक्ट्री शुरू की जा सकती है. यहां तकरीबन 2000 साल तक सीमेंट बनाने का मैटेरियल उपलब्ध है. लाल पत्थर यहां भी हैं. पत्थर तराशने से लेकर बिल्डिंग स्टोन तैयार किये जा सकते हैं. इसी तरह बुंदेलखंड में मिनरल और पालिश ग्रेनाइट निकाला जा सकता है. हमारे यहां जो भी रिसोर्स उपलब्ध है उसके बदले में अन्य राज्यों से हम वो सारी चीजें पा सकते हैं, जिनका हमें आयात करना पड़ता है, लेकिन इसके लिए हमें अपनी परिवहन व्यवस्था मजबूत करनी होगी. हमें टेक्नोलॉजी का भी बेहतर उपयोग करना होगा.

NBT PAGE 8

एलयू :14 से होंगी पीजी के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में पीजी कोर्सों के साथ कई स्नातक कोर्सों का परीक्षा कार्यक्रम भी तय हो गया है। परास्नातक कोर्सों के तीसरे सेमेस्टर के परीक्षाएं 14 जनवरी से शुरू होंगी तो वीए ऑनर्स की परीक्षाएं 18 जनवरी से होंगी। एलयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने वताया कि एमकॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स तीसरे सेमेस्टर की रेग्युलर, वैक पेपर और छूटे छात्रों क ी परीक्षा 14 से 25 जनवरी तक दूसरी पाली में संचालित होंगी।

बीए ऑनर्स में होंगी तीसरे और पांचवें परीक्षाएं : एलयू में वीए ऑनर्स अर्थशास्त्र में पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 24 जनवरी तक होंगी। वीएजेएमसी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 10 व 12 जनवरी, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 11 व 13 जनवरी और एमजेएमसी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 22 जनवरी तक होंगी। इसी तरह वीए ऑनर्स अंग्रेजी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 28 जनवरी, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 से 29 जनवरी तक होंगी। वीए ऑनर्स अर्थशास्त्र तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 25 जनवरी तक होंगी।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयूःस्नातक में 75 अंक थ्योरी के

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अन्तर्गत पहली बार होने वाली स्नातक की परीक्षाओं के लिए अंकों को निर्धारित कर दिया गया है। स्नातक की परीक्षा 17 जनवरी से प्रस्तावित हैं। इस साल से स्नातक में भी एलयू में एनईपी लागू कर दी गई है। मंगलवार को एलयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने स्नातक परीक्षा वष 2021-22 का निर्धारण कर दिया है। प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 100 अंकों का प्रश्न पत्र होगा। जिसमें 75 अंक थ्योरी के लिए निर्धारित किए हैं और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। इसी आधार पर स्नातक परीक्षा में परीक्षार्थियों को अंक प्रदान किए जाएंगे।

2 हजार साल तक सोनभद्र में बन सकती है सीमेंट

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Jan): प्रदेश में मौजूद रिसोर्स को डेवलपमेंट की मेन स्ट्रीम में लाने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी के भूगर्भ विज्ञान विभाग ने एक प्रोजेक्ट तैयार कर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को भेजा है, जिसमें उपलब्ध संसाधनों का व्यवस्थित तरीके से उपयोग कर प्रदेश को आत्मनिर्भर उत्तरप्रदेश बनाया जा सकता है.

प्रदेश की खनिज संपदा का रिसर्च करेगी लखनऊ यूनिवर्सिटी

CONCEPT PIC

'यूपी का अपना होना चाहिये सैटेलाइट'

प्रो. राय का मानना है कि हमारा अपना सैटेलाइट होना चाहिए, जिससे बाढ़ जैसी समस्याओं से समय रहते बचा जा सकता है. प्रो. राय का कहना है कि आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को लेकर एक प्रोजेक्ट तैयार कर भेजा गया है. प्रस्ताव के स्वीकृति होते ही इस दिशा में कार्य शुरू किया जाएगा. इससे हमारे प्रदेश में रोजगार के नये अवसर मिलेंगे.

PIONEER PAGE 3

एलयू से निकलेगा आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का रास्ता

लखनऊ। प्रदेश में मौजूद रिसोर्स को डेवलपमेंट की मेन स्ट्रीम में लाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग ने एक प्रोजेक्ट तैयार कर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को भेजा है। जिसमे उपलब्ध संसाधनों का व्यवस्थित तरीके से उपयोग कर प्रदेश को आत्मनिर्भर उत्तरप्रदेश बनाया जा सकता है। 125 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में दुनिया के कई देश बसते हैं। आबादी के मामले में यूपी की जनसंख्या विश्व के कई देशों से अधिक है। ऐसे में रिसोर्स मैनेजमेंट के मामले में यूपी देश में दूसरे स्थान पर है। हमारे प्रदेश में मुख्य रूप से कृषि, पानी और मिनरल रिसोर्स के रूप में है। विभाग के मुताबिक इनमे अभी मिनरल पर काम नही हुआ है। उत्तराखंड के यूपी से जाने के बाद क्या संभावनाएं हैए जिनके बेहतर इस्तेमाल से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। भूगर्भ विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो विभूति राय का कहना है कि हमारे प्रदेश में गंगा.यमुना के मैदान से निकलने वाले बालू का कामर्शियल तौर पर दूसरे राज्यों को सप्लाई कर बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी तरह ईस्ट साउथ यूपी में सोनभद्र डाला चोपन जैसे इलाकों में सीमेंट फैक्ट्री शुरू की जा सकती है। यहां तकरीबन 2000 साल तक सीमेंट बनाने का मैटेरियल उपलब्ध है। लाल पत्थर यहाँ भी हैं। पत्थर तराशने से लेकर बिल्डिंग स्टोन तैयार किये जा सकते हैं। इसी तरह बुंदेलखंड में मिनरल और पालिश ग्रेनाइट निकाला जा सकता है। हमारे यहां जो भी रिसोर्स उपलब्ध है उसके बदले में अन्य राज्यों से हम वो सारी चीजें पा सकतेए जिनका हमें आयात करना पड़ता है। लेकिन इसके लिए हमे अपनी परिवहन व्यवस्था मजबूत करनी होगी। हमे टेक्नोलॉजी का भी बेहतर उपयोग करना होगा। प्रो राय का मानना है कि हमारा अपना सैटेलाइट होना चाहिएए जिससे बाढ़ जैसी समस्याओं से समय रहते बचा जा सकता है। प्रो राय का कहना है कि आत्मनिर्भर उत्तरप्रदेश को लेकर एक प्रोजेक्ट तैयार कर भेजा गया है। प्रस्ताव के स्वीकृति होते ही इस दिशा में कार्य शुरू किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE I

उपलब्धि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विभूति राय का शोध इंटरनेशनल सोसाइटी आफ एप्लाइड बायोलाजी के जर्नल आफ एप्लाइड बायो साइंस में प्रकाशित

प्रोफेसर ने की 166 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म की खोज

जागरण विशेष

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

लवि

- चोपन तहसील के बारी गांव में मिले जीवाश्म, सबसे पुराना जीवाश्म होने का दावा
- इससे पहले वर्ष 1990 में विभाग के ही प्रो. सुरेंद्र ने लगाया था 1.6 अरब वर्ष पुराने जीवाश्म का पता

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर विभूति राय ने 1.665 अरब (एक अरब 66 करोड़ 50 लाख) वर्ष पुराने जीवाश्मों की खोज की है। उनका दावा है कि ये दुनिया के सबसे पुराने मेगा स्कोपिक जीवाश्म हैं, जोकि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले की चोपन तहसील के बारी गांव से मिले हैं। इस पर तीन साल काम करने के बाद उनका यह शोध इंटरनेशनल सोसाइटी आफ एप्लाइड बायोलाजी के जर्नल आफ एप्लाइड बायो साइंस में प्रकाशित हुआ है।

प्रोफेसर विभूति राय पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति एवं विकास पर चार दशक से शोध कर रहे हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में 10 विद्यार्थियों को पीएचडी भी कराई है। वह बताते हैं कि वर्ष 1990 में इसी विभाग के प्रो. सुरेंद्र कुमार ने मध्य प्रदेश के कटनी में 1.6 अरब वर्ष पुराने जीवाश्म की खोज की थी। इस बार उससे भी पुराने 1.665 अरब वर्ष (एक अरब 66 करोड़ 50 लाख वर्ष) पुराने जीवाश्म खोजने में सफलता मिली है।

पुराना जीवाश्म होने के तर्क: कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर निक बटर फील्ड ने वर्ष 2015 में अपने एक शोध में पुराने जीवाश्म का जिक्र किया था। कहा था कि भारत के पोर्सेलेनाइट चट्टानों में पाए जाने वाले अति सूक्ष्म जीवाश्म दुनिया के सबसे पुराने माइक्रोस्कोपिक जीवाश्म हैं। उन्होंने इसे यू कैरियोटिक (सुकेंद्रकी जीव शैवाल) की श्रेणी में रखा था। अब इसी क्रम में बड़े जीवाश्म मिले हैं। प्रो. विभूति राय का कहना है कि इस नई खोज से जीवन के विकास एवं पृथ्वी के आरंभिक जीवन के बारे में पारे में पता चलता है।

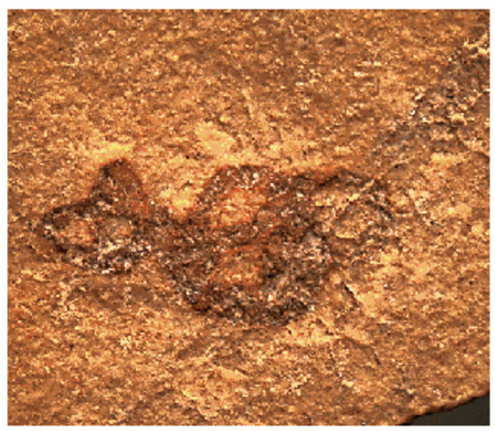

ग्राइपानिया स्पाइरैलिस के साथ कई और जीवाश्म भी मिले ● सौजन्य प्रो. विभूति राय

मेगा स्कोपिक है यह जीवाश्म

प्रो. विभूति राय के मुताबिक विंध्यन अवसादी शैलों से निर्मित सोनभद्र का यह क्षेत्र एक लाख 44 हजार स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है। नवंबर 2018 में शोध के दौरान यहां ऐसी चट्टानें देखीं, जो काफी पुरानी थीं। यह ज्वालामुखी की राख से समुद्र के अंदर जनित हुई थीं। इनमें से एक पोर्सेलेनाइट चट्टान भी थी। लैब में लाकर लगातार इसका परीक्षण किया गया। इसमें चट्टानों के बीच में पाई जाने वाली शैलों में भूरे रंग की चित्तीदार आकृतियां दिखीं। जब इनके नमूनों को माइक्रो स्कोप से देखा तो अति महत्वपूर्ण 'ग्राइपानिया स्पाइरैलिस' जीवाश्म के साथ अन्य जीवाश्म मिले, जोकि 1.665 अरब वर्ष पुराने हैं। सबसे पहले चीन के गाओ झांग में लगभग डेढ़ अरब वर्ष पुराना जीवाश्म मिला था।